नज़दीक आते भारत एवं स्पेन

drishtiias.com/hindi/printpdf/india-and-spain-coming-closer

संदर्भ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 मई से 3 जून तक अपनी यूरोप यात्रा के दौरान जर्मनी, स्पेन, रूस और फ्रांस का दौरा करेंगे। इस यात्रा के क्रम में वे 30 मई को स्पेन पहुँचे और स्पेन के राष्ट्रपति मैरीयानो राजॉय से मिले। प्रधानमंत्री मोदी 1992 के बाद पहले प्रधानमंत्री है जिन्होंने स्पेन की यात्रा की। दोनों नेताओं ने आपसी हितों के द्विपक्षीय और अन्य मुद्दों पर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि स्पेन भारत में निवेश करने वाला 12वाँ सबसे बड़ा देश है, साथ ही यूरोपियन यूनियन में 7वाँ बड़ा व्यापारिक भागीदार भी है।

महत्त्वपूर्ण बिंदु

- दोनों देशों ने आपसी महत्त्व के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित सात बड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किये।
- साथ ही, दोनों देशों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि आतंकवाद के लिए "शून्य सहिष्णुता(zero tolerance)" नीति अपनानी चाहिये। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि अंतर्राष्ट्रीय शांति और स्थिरता के लिये खतरा बने आतंकवाद से निपटने के लिये "चयनात्मक या आंशिक" दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिये।
- प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जो राज्य या संस्थाएँ, आतंकवाद को प्रोत्साहन देती हैं, उसका समर्थन करती हैं, वित्तपोषण करती हैं, आतंकवादियों को पनाह देती हैं और आतंकवाद का महिमा-मंडन करती हैं, उन पर प्रतिबंध लगना चाहिये, साथ ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अधीन लाना चाहिये।
- इसके आलावा, भारत ने अपने यहाँ निवेश करने के लिये स्पेनिश फर्मों को आमंत्रित किया है।
- दोनों पक्षों ने एक ‘संयुक्त वक्तव्य’ जारी किया जिसमें दोनों नेताओं ने हाल ही में दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय व्यापार और निवेश साझेदारी में हुए सकारात्मक विकास का स्वागत किया और दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को और अधिक मज़बूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।
- दोनों पक्षों ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किये जो निम्नलिखित हैं:

1. एक-दुसरे की जेलों में बंद व्यक्तियों के प्रत्यर्पण से संबंधित समझौता।
2. राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिये वीज़ा नियमों में छूट देना।
3. अंग प्रत्यारोपण में सहयोग करना।
4. साइबर सुरक्षा से संबंधित।
5. नवीकरणीय ऊर्जा।
6. नागरिक उड्डयन।
7. भारत के विदेशी सेवा संस्थान और स्पेन की राजनयिक अकादमी के बीच एक समझौता।

भारत के लिये स्पेन का महत्त्व

- इस समय भारत में लगभग 200 से अधिक स्पेनिश कंपनियाँ हैं जो सड़क निर्माण, रेलवे, पवन ऊर्जा, रक्षा और स्मार्ट-सिटी जैसी परियोजनओं पर सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं।
- गौरतलब है कि स्पेन भारत में निवेश करने वाला 12वाँ सबसे बड़ा देश है।